जापान को 3000 टन जस्ता संकेन्द्रित बेचने की आज्ञा मांगी, ताकि जो 7000 टन जस्ता संकेन्द्रित जापान को जस्ता धातु में बदलने तथा पुनः भारत भेजे जाने के लिये प्रस्तावित थे, उनके प्रद्रावण के पैसे अदा करने के लिये वे विदेशी मुद्रा कमा सकें। देश जस्ता धातु की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये आयात पर निर्भर था ; अतः आर्थिक दृष्टि से यह लाभ प्राप्त नहीं समझा गया कि भारत से बाहर किसी पक्ष को जस्ता संकेन्द्रित बेचे देने जाएं।

भीलवाड़ा, राजस्थान में अभ्रक उद्योग को दी गई रियायतें

5569. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अभ्रक की खानों को सुचारू रूप से चलाने तथा अभ्रक को लाभप्रद मूल्यों पर बेचने में सहायता देने के उद्देश्य से सरकार का विचार भीलवाड़ा, राजस्थान में अभ्रक उद्योग को रियायत देने का है; और

(ख) इस क्षेत्र में अभ्रक उद्योग का विकास किये जाने की सम्भावना का अध्ययन करने के लिये क्या सरकार का विचार एक समिति गठन करने का है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं।

(ख) राजस्थान सरकार ने राज्य में अबरक उद्योग के पतन और मंदी के कारणों की जांच करने के लिये एक समिति बनाई थी। समिति की उपपत्तियों पर राज्य सरकार विचार कर रही है।

राजस्थान में रेलगाड़ियों का धीमी गति से चलना

5570. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान में पुरानी छोटी लाइन पर धीरे-धीरे चलनेवाली रेलगाड़ियों की गति को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन है;

(ख) यदि नहीं, तो क्या ऐसी लाइनों को बदलने तथा धीरे-धीरे चलनेवाली रेल गाड़ियों का आधुनिकीकरण करने के लिये कोई कारगर कदम उठाने का सरकार का विचार है; और

(ग) क्या दिल्ली-बीकानेर भी दिल्ली-जोधपुर लाइनों की तरह दिल्ली से उदयपुर तक एक सीधी रेलवे लाइन बिछाने का सरकार का विचार है ?

रेलवे मंत्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी नहीं।

(ख) ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है, लेकिन इस समय, जहां कहीं मीटर लाइन के लिये निर्धारित वर्तमान मानक की अपेक्षा हल्की पटरियां होने के कारण खण्डीय रफ्तार पर पाबन्दी है, वहां जब-जब हालत के आधार पर हल्की पटरियों की जगह भारी पटरियां बिछाई जाती हैं, तो खण्डीय रफ्तार बढ़ा दी जाती है।

(ग) जी नहीं।

Silk Factory in Bihar

5571. SHRI MARANDI : Will the Minister of COMMERCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that raw material is available in plenty for the manufacture of silk in the Santhal Pargana District of Bihar;

(b) if so, whether it is also a fact that raw material is not being utilised properly;

(c) whether Government are considering to set up a silk factory in Santhal Pargana District of Bihar; and

(d) if so, when it is likely to be set up?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) : (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) and (d). The Government of Bihar propose to set up a spun silk mill of 3000 spindles at Bhagalpur. For this project, the State Government has already obtained Industrial Licence under the Industries (Development and Regulation) Act, 1951; acquired land and received quotations for equipment.

ADDITIONAL BOGIE TO PUNJAB MAIL OR TATA EXPRESS

5572. SHRI MARANDI : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that a large number of passengers come daily to Patna Junction from Jasidih;

(b) whether it is a fact that no bogie is attached to the train which is bound for Patna from Jasidih with the result that passengers suffer inconvenience and it often happens that even passengers having 1st class tickets cannot get room in Punjab Mail and Tata Express;

(c) whether Government are considering to attach a bogie to Punjab Mail or Tata Express or to introduce an additional train in Jasidih; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA) : (a) to (d). The daily average number of tickets issued from Jasidih to Patna is 55. During the past three months no requisition was received by Jasidih station for reservation of first class berths by 5 Up Punjab Mail or 88 Dn. South Bihar Express for Patna. Apart from the question of traffic justification, running of a through service coach between Jasidih and Patna as a regular measure is not feasible for want of room on either of these trains.

पन्ना हीरे की खानों के भूतपूर्व मुख्य इंजीनियर

5573. **श्री मोलूह प्रसाद** : क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विशेष पुलिस विभाग ने उन गम्भीर आरोपों की जांच की है जो पन्ना हीरे की खानों के भूतपूर्व मुख्य इंजीनियर के विरुद्ध लगाये गये थे कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है और हीरों का गबन किया है;

(ख) क्या यह भी सच है कि आरोपों की जांच के दौरान उक्त अधिकारी को वहां से स्थानान्तरित कर दिया गया था और उन्हें बेलाडिला परियोजना में महा-प्रबन्धक के पद पर नियुक्त कर दिया गया था;

(ग) क्या विशेष पुलिस विभाग का प्रतिवेदन मिल गया है; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है और उनके स्थानान्तरण के क्या कारण हैं ?

इस्पात, खान तथा धातु मन्त्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) हां, महोदय ।

(ख) से (घ). मुख्य अभियंता तथा कुछ दूसरे अधिकारियों के बिरुद्ध कुछ आरोप लगाये गये थे । एस० पी० ई० ने इसकी पड़ताल की थी । केन्द्रीय गुप्त वार्ता आयोग तथा गृह मंत्रालय की सलाह ली गई । अधिकारी को कुछ छोटी मोटी बातों में दोषी पाया गया अतः गृह मंत्रालय की सलाह से उसे सचेत कर दिया गया । प्रशासन के हित में उसे कुछ समय पहले पटना से राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के मुख्यालय में लाया गया । बाद में यह विशेष कर्त्तव्य अधिकारी के रूप में बेलादिला लोहा परियोजना में काम करता रहा । पूछताछ समाप्त होने पर उसे कथित परियोजना में महाप्रबन्धक के पद पर लगाया गया ।

रेलवे कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही

5574. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :